आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

सेवा सौभाग्य

मूल्य » ₹ 5 ● वर्ष-07 ● अंक » 85 ● मुद्रण तारीख » 1 दिसम्बर-2018 ● कुल पृष्ठ » 24

ज़िन्दगी होगी बेहतर
जब आप करेंगे कन्यादान

विशाल नि:शुल्क सर्वधर्म दिव्यांग तथा निर्धन सामूहिक विवाह

आयोजक : नारायण सेवा संस्थान एवं सेवा परमो धर्म ट्रस्ट

दिनांक : 2 व 3 मार्च, 2019

स्थान : राजौरी गार्डन (दीपाली टेन्ट), पुलिस थाने के पास, दिल्ली-27

खुशियों के पल आपके संग

जी हाँ, इन दिव्यांग जोड़ों को अपना आशीर्वाद देने ज़रूर-ज़रूर पधारें

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोषाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सेवा सौभाग्य

1 दिसम्बर, 2018

वर्ष 07 अंक 85 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 24

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

सेवा परमो धर्म ट्रस्ट

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : 0294-6655555
फेक्स नं. : 0294-6655570
मो नं. : 09929777773

Web » www.spdtrust.org
E-mail » info@spdtrust.org

CONTENTS

इस माह में

पाठकों हेतु

मौसम का फल — शरीफ है शरीफा

05

अन्य स्तंभ

अपनों से अपनी बात 04
गुणकारी दालचीनी 05
हिमानी व जेसिका का सपना 06
सेवा महातीर्थ में महाबचत मेला 06
सत्संग 07

कन्या पूजन — शक्तिरूपा दिव्यांग कन्याओं का पूजन

08
जिम्नास्टिक में जीता सोना 08
सहायक उपकरण वितरित 09
भायंदर में कृत्रिम अंग वितरण 09
बोकारो में ऑपरेशन हेतु चयन 10
महोबा में सहायक उपकरण वितरण 10
सेवा सारथियों का सम्मान 11

सहायता — आपश्री की प्रतीक्षा में.....

16
आपश्री का पूर्ण विवरण 13
दानवीर भामाशाहों का आभार 15
दिव्यांगजनों की सेवारत् 16
दान सहयोग हेतु अपील 17
संस्थान के आश्रम 20
प्राकृतिक चिकित्सा 23

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

जमने न दें कुसंग की जड़

माता - पिता अनुभव की खान होते हैं। हमेशा संतान को सन्मार्ग पर बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। उनकी सलाह एवं हिदायत की कभी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।

किसी पिता का पुत्र बुरी संगत में पड़ गया। पिता उसे हर बार बुरी संगत छोड़ने को कहते तो पुत्र यही उत्तर देता- पिताजी, आप चिंता न करें, मैं जब चाहूँगा तब उन्हें छोड़ दूँगा। ये तो मेरे नियंत्रण में है। पुत्र कहता जरूर था परंतु छोड़ता नहीं था। एक दिन पिता ने एक संत को अपनी व्यथा सुनाई। संत ने पिता को दूसरे दिन पुत्र के साथ बगीचे में आने को कहा। दूसरे दिन प्रातः पिता-पुत्र बगीचे में पहुँचे। संत टहल रहे थे। पिता-पुत्र भी उनके साथ-साथ चलने लगे। चलते-चलते अचानक संत एक स्थान पर रूके और लड़के से कहा- वह जो छोटा-सा पौधा दिखाई दे रहा है, उसे उखाड़ कर ले आओ। लड़का गया और पौधे को झटके से समूल उखाड़कर ले आया। तभी संत ने कहा- बेटा, वहाँ देखो, वह जो थोड़ी बड़ी हो चुकी खरपतवार है, उसे भी उखाड़ दो। लड़का खरपतवार को जड़-सहित उखाड़कर पुनः लौट आया। वह थक-सा गया था। तीनों थोड़ी दूर गए ही थे कि संत ने एक पेड़ दिखाते हुए लड़के से कहा बेटा - उसे भी जड़ से उखाड़ दो। वह दौड़ता हुआ गया और उत्साह के साथ उस पेड़ को उखाड़ने का प्रयास करने लगा। उसने पूरी ताकत लगा दी, पसीने से तरबतर हो गया परंतु पेड़ को नहीं उखाड़ पाया। क्योंकि उसकी जड़ें मजबूत थी। उसी पल संत ने कहा- मैं तुम्हें यही बताना चाह रहा हूँ कि बुरी आदतों की जड़ें मजबूत होने से पहले ही अगर उन्हें छोड़ दोगे तो वे छोटे पौधों के उखड़ने के समान बिना कठिनाई के छूट जाएंगी, लेकिन ज़्यादा समय तक रहीं तो वे भी इस पेड़ के समान अपनी जड़ें मजबूत कर लेंगी जिन्हें तुम चाहकर भी फिर कभी छोड़ नहीं पाओगे। लड़का संत की बात समझ गया और उसने उसी क्षण से बुरी संगत छोड़ देने का संकल्प लिया।

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

पराई वस्तु का मोह अनुचित

पराई वस्तु के प्रति मोह रखना अथवा मार्ग में मिली कोई भी कीमती वस्तु अपने पास रख लेना, यह समझकर कि किसी ने देखा नहीं है,अनुचित है। ईश्वर सब देखता है

किसी नगर की महारानी का प्रिय एवं बहुमूल्य कंठ हार कहीं खो गया। महाराजा ने पूरे नगर में घोषणा करवा दी कि जिस किसी को भी हार मिला हो, वह तीन दिन में लौटा दे अन्यथा पता लगने पर उसे मृत्युदण्ड मिलेगा। संयोगवश हार एक सन्यासी को मिला। उसके मन में हार के प्रति कोई आकर्षण या किसी प्रकार का लोभ-मोह नहीं था फिर भी उसने हार को यह सोच कर रख लिया कि कोई इसे ढूँढ़ता हुआ आएगा तो दे दूँगां। अगले दिन उसने महाराजा की घोषणा सुनी फिर भी वह हार देने नहीं गया, अपितु अपनी तपस्या में लीन रहा। तीन दिन बीत गए। चौथे दिन सन्यासी हार लेकर राजमहल में महाराजा के समक्ष पहुँचा। महाराजा को जब यह पता चला कि तीन दिन से हार को वह अपने पास ही रखे हुए था तो, वे क्रोधित हो गए। क्रोधित स्वर में उन्होंने पूछा- क्या तुमने घोषणा नहीं सुनी थी? सन्यासी ने शांत स्वर में उत्तर दिया- जी राजन, मैंने आपकी घोषणा सुनी थी परंतु मैं जानबूझकर हार देने नहीं आया। वह बोला-यदि तत्काल चला आता तो लोग यही कहते, कि मैं एक सन्यासी होकर मृत्यु के दण्ड से भयभीत हो गया। इस पर महाराजा ने पूछा- तो फिर चौथे दिन क्यों आए?तब गंभीरतापूर्वक, सन्यासी ने उत्तर दिया- मुझे मृत्यु का भय नहीं है, यह बात तो सिद्ध हो गई है लेकिन किसी अन्य की सम्पत्ति को अपने पास में रखना पाप है और मैं सन्यासी हूँ, पापी नहीं। मै तपस्या में था। अतः हार को देने आज चला आया। महाराज मृत्यु भय नहीं उत्सव है। क्योंकि यह सत्य है। पराई वस्तु के प्रति आकर्षण एक ऐसा विचार है, जो पाप के रास्ते पर ले जाता है। सन्यासी का उत्तर सुनकर महाराजा बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने सन्यासी के चरण स्पर्थ कर अभिनंदन किया।

मौसम का फल

शरीफ है शरीफा

पोषण तत्वों से भरपूर शरीफा एक ऐसा फल है जिसमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके बीज, फल और पत्तियों में अनेक ऐसे रसायन तत्व पाये जाते हैं, जिनका उपयोग फसलों मे लगने वाले कीड़ों को मारने के लिए बनने वाले कीटनाशक के रुप में इस्तेमाल किया जाता है। यानि इसे जैविक कीटनाशक के रुप में भी इस्तेमाल किया जाता है। शरीफे की पत्तियाँ मधुमेह रोगियों के लिए रामबाण औषधी हैं। मधुमेह रोग में शरीफे की पत्तियों को चबाकर खाने की सलाह दी जाती है। इसकी जड़ का काढ़ा कब्ज दूर करता है। मिर्गी में इसके पत्तों को पीसकर रोगी को सुंघाया जाता है। इसके पत्तों को घाव पर बांधा जाये तो घाव जल्दी ठीक होते हैं। इसके बीज कीटनाशी द्रव्यों से युक्त होते हैं। यही वजह है कि फसलों में लगने वाले जैविक रोगों के निवारण के लिए इसके बीजों का इस्तेमाल किया जाता है। इन्हें नीम की पत्ती और मदार के साथ मिलाकर कीटनाशक तैयार किया जाता है।

» औषधीय फायदा

अगर आपका वजन तमाम उपाय आजमाने के बाद भी नहीं बढ़ा तो एक बार शरीफा को आजमाइए इसे अपनी रोज की डाइट में शामिल करिये वजन बढ़ जायेगा।

शरीफा के बीजों को बकरी के दूध के साथ पीसकर पेस्ट बनाकर उसे सिर पर लगाने से गंजेपन की समस्या दूर होती है।

शरीफा में विटामिन ए अच्छी खासी मात्रा में पाया जाता है, इसलिए इसे खाने से त्वचा जवान और चमकदार रहती है।

शरीफा इम्युनिटी सिस्टम यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है।

घरेलू उपचार

गुणकारी दालचीनी

दालचीनी का उपयोग रोजाना मसालों में सुगन्ध और स्वाद लाने के लिये किया जाता है। यह मुखशुद्धि और कंठशुद्धि करती है। मोटी दालचीनी उष्ण, तीखी, रूक्ष और पित्तकारक है। यह कफ, वायु, खुजली तथा अरूचि का नाश करने वाली एंव ह्रदय रोग, मूत्राशय के रोग, अर्श, कृमि मिटाने वाली है। दालचीनी का सेवन करने से अजीर्ण, उल्टी, लार, उदरशूल और आफरा मिटता है। दालचीनी पानी में पीसकर गर्म करके कनपटी पर लेप करने अथवा अर्क लगाने से सर्दी के कारण होने वाला सिरदर्द मिटता है। दालचीनी, अदरक और काली मिर्च का काढ़ा पीने से जुकाम दूर होता है। दालचीनी के तेल की 2-3 बूंद तेल एक कप पानी में मिलाकर पीने से इन्फ्लूएंजा, गृहणी, आंत्रशूल, हिचकी, उल्टी आदि में आराम मिलता है। दालचीनी अत्यंन्त उपयोगी सुगन्धित औषधि है। यह उष्ण दीपन, पाचन, वातहर, स्तंभण, गर्भाशय उत्तेजक, गर्भाशय संकोचक एवं शरीर उत्तेजक है। यह टाइफाइड, टाइफस तथा अन्य संक्रामक रोगों का नाश करती है एवं उबकाई, उल्टी व अतिसार को मिटाती है। दालचीनी का तेल उत्तेजक है। इसकी कुछ बूंद दांत का शूल, पेट का शूल, जीभ का रूक जाना, जबान बन्द हो जाना आदि में गुणकारी हैं। गरम प्रकृति वालों को दालचीनी का सेवन नहीं करना चाहिये।

शिक्षा-सहयोग

सच हुआ हिमानी व जेसिका का सपना

निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल शिक्षण शुल्क चेक देते हुए

उदयपुर निवासी हिमानी विश्वकर्मा प्रतिभाशाली छात्रा है। जिसने 10 वीं की परीक्षा (83 प्रतिशत अंक) विशेष योग्यता के साथ उतीर्ण की। पिता दिलीप सिंह का कुछ समय पूर्व निधन होने से हिमानी की शिक्षा और घर को चलाने की सारी जिम्मेदारी मां पर आ पड़ी, जो एक मैस में कार्यरत हैं। पिता के असामयिक निधन से आर्थिक दृष्टि से परिवार पिछड़ गया। हिमानी की आगे की पढ़ाई पर भी प्रश्न चिन्ह लग गया। उच्च शिक्षा प्राप्त करने का उसका सपना उसे टूटता सा दिखाई दिया। स्कूल में शुल्क जमा कराना जरुरी था। मां असहाय और हिमानी दुःखी थी। तभी उन्हें किसी ने नारायण सेवा संस्थान-सेवा परमोधर्म ट्रस्ट से मदद लेने की सलाह दी। इस पर दोनों मां-बेटी ट्रस्ट अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल से मिली। उन्होंने ट्रस्ट से 19,300 रु शिक्षण शुल्क की स्वीकृति दी। हिमानी अब नियमित रुप से स्कूल जा रही है और वह खुश है कि उसका सपना टूटने से बच गया।

इसी तरह राजस्थान के पाली जिले की मूल निवासी जेसिका राव कक्षा 11वीं की छात्रा है। पिता खेतीबाड़ी कर बमुश्किल परिवार का पोषण करते हैं। माता -पिता उसे उच्च शिक्षा दिलाना चाहते हैं। ताकि वह जीवन में आगे बढ़ सके, परन्तु घर की कमजोर आर्थिक स्थिति उनके इस स्वप्न को साकार करने में बाधक है। परिवार की आर्थिक हालत को देखते हुए उदयपुर निवासी मौसी ने दो वर्ष पूर्व उसे अपने घर बुला लिया। हालांकि मौसी भी छोटी मोटी नौकरी करके बड़ी मुश्किल से अपने परिवार का गुजर-बसर करती हैं। पिछले वर्ष उन्होंने जेसिका की पढ़ाई सुचारु रखने के लिए सेवा परमो धर्म ट्रस्ट से कक्षा 10 की पढ़ाई के लिए विद्यालय शुल्क प्रदान करने का अनुरोध किया था। जिसे ट्रस्ट ने स्वीकार किया। इस वर्ष भी इस प्रतिभाशाली बालिका की 11 वीं की पढ़ाई का शिक्षण शुल्क ट्रस्ट की ओर से स्कूल को दिया गया है ताकि वह उच्च शिक्षा प्राप्ति का स्वप्न पूरा कर सके।

जमा योजना

सेवा महातीर्थ में महाबचत मेला

भारतीय डाक विभाग की ओर से 25 अक्टूबर को नारायण सेवा संस्थान के बडी ग्राम स्थित सेवा महातीर्थ में दो दिवसीय महाबचत मेला-2018 का समापन हुआ। शिविर का शुभारम्भ संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन पद्मश्री कैलाश जी 'मानव' ने किया। विशिष्ट अतिथि प्रवर अधीक्षक डाकघर श्री जगदीश सिंह जी गुर्जर थे। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर माह के ही प्रथम सप्ताह में डाक विभाग अजमेर मण्डल के पोस्टमास्टर जनरल श्री रामभरोसा जी गुप्ता ने सेवा महातीर्थ में पोस्ट ऑफिस शाखा खोलने के आदेश दिए थे।

महाबचत मेला में बड़ी एवं आसपास गांवों सहित संस्थान में निःशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए विभिन्न राज्यों से आने वाले दिव्यांगों के परिजनों एवं साधकों ने सुकन्या समृद्धि, आवर्ति जमा एवं बचत खाते खुलवाए। बचत योजना में खाता खुलवाने को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के साथ भी जोडकर 2 लाख का दुर्घटना बीमा किया गया।

शिविर प्रभारी श्री दीपक जी मेनारिया ने बताया कि दो दिनों में बड़ी संख्या में खाते खोले गए। महाबचत मेले में डाक विभाग की ओर से श्री हरदाराम निरीक्षक (दक्षिण क्षेत्र), श्री राजेन्द्र राठौड़, शाखा डाकघर प्रभारी श्री शोभालाल तथा संस्थान की ओर से महिम जैन, अनिल आचार्य व कुलदीप सिंह शेखावत की टीम ने सहयोग किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सत्संग

संस्थान के लियों का गुड़ा (बड़ी) स्थित सेवा महातीर्थ में 18 से 20 , 26 व 27 तथा 30 अक्टूबर से 3 नवम्बर 2018 तक पूज्य गुरुदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने 'श्रीराम- कृष्ण अवतार कथा'एवं सत्संग तथा संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने देश के विभिन्न भागों से निशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए संस्थान में आने वाले दिव्यांग भाई-बहिन एवं उनके परिजनों से दीनबंधु वार्ता में विचार साझा किये। 'संस्कार', 'सत्संग'और आस्था भजन चैनलों पर देश भर में प्रसारित उनके विचारों को यहां संक्षिप्त रुप से प्रस्तुत किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन श्री महिम जैन व श्री ओमपाल सिलन ने किया।

राम कथा संजीवनी समान: मानव

एक कामना पूरी होने पर मानव का स्वभाव है कि वह दूसरी करने लगता है। कामना और भक्ति में अंतर है। भक्ति से ही सब कुछ प्राप्त हो जाता है। सुदामा इसके उदाहरण हैं। वे बिना किसी कामना भगवान की भक्ति में लगे रहे। विपदा और कष्ट आने के बाद भी उन्होंने सच्चाई और भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा। जिसके चलते भगवान की कृपा प्राप्त हुई और उन्हें सब कुछ प्राप्त हो गया। राम कथा हमारे जीवन के लिए संजीवनी बूटी के समान है। जो हमे बताती है कि परिस्थिति चाहे कितनी भी विपरीत हो, धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। भगवान राम के जीवन आदर्शों से हमें सच्चाई के पथ पर चलने की प्रेरणा मिलती है। राम शब्द के उच्चारण मात्र से जीवन आनंदित हो उठता है। परिवार व समाज हित के लिए रामचरित मानस प्रेरणादायक कथा ग्रंथ है। संवेदना और करुणा के भाव ही सेवा और परमार्थ के प्रेरक हैं। यही भाव मनुष्यत्व की पहचान हैं। सामाजिक बुराइयों और कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष की जरुरत है। कन्या भ्रूण हत्या, नारी उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को रोका जाना चाहिए। जीवन में सफलता के लिए हर कार्य पूर्ण सोच-विचार के साथ करना चाहिए। जल्दबाजी में किए गए कार्य के परिणाम सदैव दुखदायी होते हैं। धर्म वही है जो परस्पर प्यार और सद्भाव बढ़ाए। जीवन को सार्थकता प्रदान करने के लिए हमें सतत् आत्मावलोकन करते रहना होगा। इसीसे सेवा धर्म का मार्ग प्रशस्त होगा। यही हमारे जीवन के कल्याण का सेतु भी बनेगा।

पू. कैलाश जी 'मानव'

बुरे विचारों को पराजित करें: भैया

सकारात्मक सोच रखने वाले सज्जन हमेशा खुश रहते हुए सबके प्रिय और सम्मानीय होते हैं। हम सब चाहते हैं कि खुश रहें, तो इसके लिए जरुरी है जीवन में लक्ष्य निर्धारित करें और जब तक वह हासिल न हो प्रयास न छोड़ें। जीवन भी एक संग्राम है। अच्छे-बुरे विचारों के बीच संघर्ष चलता रहता है। सुविचार ही ऐसा शस्त्र है, जिनसे बुरे विचारों को पराजित किया जा सकता है। अभिप्राय यह है कि जीवन में वही सफल हो सकता है जो बुरे विचारों को अपने ऊपर हावी न होने दे। मनुष्य को लोभ एवं मोह छोड़कर हमेशा ईश्वर की भक्ति करनी चाहिए। व्यक्ति हमेशा दुखों में ईश्वर को याद करता है और सुख में भूल जाता है। सुख-दुख जीवन के वह पहलु हैं जो एक के बाद एक घटित होते रहते हैं। परन्तु यदि हम निःस्वार्थ भाव से ईश्वर की भक्ति करते हैं तो उससे हर समस्या का समाधान स्वतः हो जाता है। मृत्यु अटल है। जिन्हें जीवन मिला है उनकी मुत्यु निश्चित है। छोटे जीवों में भी वही आत्मा है जो मनुष्य के भीतर है, बस उसका आकार परिवर्तित हो जाता है। आत्मा को न कभी जलाया जा सकता है और न कभी उसका नाश होता है। केवल शरीर ही नाशवान है। मनुष्य के साथ उसके अच्छे कर्म व परोपकार ही जाते हैं। प्रत्येक मानव को जीवन में सद्कर्म करते रहना चाहिए। सद्कर्म मानव को मंजिल तक पहुंचाने के साथ ही शुभ ख्याति प्राप्त कराने में सहायक बनते हैं। जबकि अशुभ कर्म से मानव को सामाजिक एवं पारिवारिक तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है।

'सेवक' प्रशान्त भैया

कन्या पूजन

शक्तिरूपा दिव्यांग कन्याओं का पूजन

'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' संदेश के साथ आरती करती श्रीमती वंदना अग्रवाल

17 अक्टूबर को संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में शारदीया नवरात्रि की दुर्गाष्टमी पर 301 दिव्यांग कन्याओं का अनुष्ठानपूर्वक महापूजन सम्पन्न हुआ। ये सभी कन्याएं जन्मजात दिव्यांग अथवा पूर्व पोलियोग्रस्त थीं। इनमें सात माह की मरियम निवासी सिंखेड़राजा जिला जालना (महाराष्ट्र) भी थी, जो अपनी माता सुमैया के साथ पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए आई थी। इन सभी कन्याओं के निःशुल्क ऑपरेशन नवरात्रा के दौरान संस्थान के हॉस्पीटल में सम्पन्न हुए। देवी स्वरूपा इन कन्याओं के पूजन से पूर्व संस्थापक- चेयरमैन पद्मश्री कैलाश जी 'मानव', सह-संस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी, अध्यक्ष श्री प्रशांत जी अग्रवाल, निदेशक श्रीमती वन्दना जी अग्रवाल, और साधकों ने हवन कर माता का आव्हान किया। पूज्य श्री मानव जी ने कहा कि परिवार और समाज में बेटा-बेटी को समान मानते हुए उन्हे संस्कारित किया जाए। बेटियों की उपेक्षा का ही परिणाम है, कन्या भ्रूण हत्या और महिला उत्पीड़न की घटनाएं । इस प्रवृति को रोकना होगा। कार्यक्रम का संचालन श्री महिम जैन ने किया।

ओढ़ाई लाल चुनर: संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने विशाल पाण्डाल में सजी धजी चौकियों पर बिराजित दिव्यांग कन्याओं को लाल चुनर ओढाई और नैवेद्य रूप में हलवा, पूरी और भीगे हुए चने परोसे तथा पोशाक, प्रसाधन सामग्री व अन्य उपहार भेट किए। ये कन्याएं राजस्थान, प.बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ, गुजरात, झारखण्ड, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर व नेपाल सहित देश के अन्य भागों से 15 दिन पूर्व ही निःशुल्क पोलियो केरेक्टिव सर्जरी के लिए संस्थान में परिजनों के साथ आई थीं। इस अनुष्ठान का उद्देश्य ही समाज में बेटियों को बचाने और पढ़ाने का संदेश देकर उन्हें आगे बढ़ाना था।

उपलब्धि

जिम्नास्टिक में जीता सोना

विजेता बालक पदकों के साथ

अलवर में 6 नवम्बर को संपन्न 10 एवं 14 वर्ष आयु वर्ग के बालकों की राज्य स्तरीय ओपन जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में नारायण सेवा संस्थान के बालकों ने तीन गोल्ड एवं दो ब्रांज मेडल हासिल किए। सीनार पब्लिक स्कूल अलवर में जिला जिम्नास्टिक एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में संस्थान के भगवान महावीर निराश्रित बालगृह के 10 वर्ष आयु वर्ग में रणवीर भील ने ऑलराउण्डर व फ्लोर में दो गोल्ड मेडल एवं 14 वर्ष आयु वर्ग में श्रवण गमार ने पैरेलरबार में एक गोल्ड मेडल प्राप्त किया। राजू गमार, अभियाराम व कृष्णा ने ब्रांज मेडल हासिल किए। संस्थान की टीम को इस चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में तीसरा स्थान मिला।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

सहायता शिविर

फरीदाबाद में 125 सहायक उपकरण वितरित

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में फरीदाबाद (हरियाणा) में 14 अक्टूबर को दिव्यांगजन की सहायतार्थ निःशुल्क पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन शिविर आयोजित किया गया। जिसमें डॉ.एस.एल.गुप्ता ने पंजीकृत 110 दिव्यांगजन की जांच की, जिनमें से ऑपरेशन योग्य 12 का चयन किया गया। मुख्य अतिथि साईं बाबा संस्थान के प्रमुख ट्रस्टी श्री मनु भार्गव तथा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी श्री पी.एल कुमार, डॉ एस.पी सिंह, श्री बी.पी गुप्ता, श्री एम. एल गोयल व श्री सुरेश सुसेन थे। शिविर में जरूरतमंद 15 दिव्यांगजन को ट्राईसाईकिल, 5 को व्हील चेयर व 25 को बैसाखी व अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। आरंभ में शाखाध्यक्ष श्री नवलकिशोर जी गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। संचालन संस्थान के गाजियाबाद आश्रम कें प्रभारी भंवर सिंह तथा हरिप्रसाद लढ्ढा ने किया। धन्यवाद की रस्म शिविर प्रभारी जतन सिंह भाटी ने अदा की।

अग्रसेन मंदिरः संस्थान की ओर से फरीदाबाद में ही 21 अक्टूबर को महाराजा अग्रसेन मंदिर के सौजन्य से एक और शिविर आयोजित किया गया। जिसमें सभी पंजीकृत 198 दिव्यांगजन में से ऑपरेशन योग्य 22 का चयन किया गया तथा कृत्रिम अंग बनाने के लिए 30 दिव्यांगों के नाप लिए गए। इस शिविर के मुख्य अतिथि राज्य के उद्योग मंत्री श्री विपुल जी गोयल थे। अध्यक्षता अग्रवाल समाज के प्रधान श्री आनन्द जी गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि अग्रवाल समाज के कोषाध्यक्ष श्री मुरारी लाल जी गर्ग, समाज के पूर्व प्रधान श्री ओमप्रकाश जी बंसल व संस्थान के शाखा संयोजक श्री नवल किशोर जी गुप्ता थे। शिविर में जरूरतमंद 10 दिव्यांगजन को ट्राईसाईकिल, 5 को व्हील चेयर, 20 को बैसाखी की जोड़ी, 10 को श्रवण यंत्र व 35 को केलिपर प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वागत प्रभारी जतन सिंह भाटी ने व संचालन मुकेश त्रिपाठी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन साधक राम सिंह चुण्डावत ने किया।

भायंदर मे दिव्यांग कृत्रिम अंग नाप शिविर

नारायण सेवा संस्थान एवं श्री राजस्थानी जैन संघ, जैसलपार्क के संयुक्त तत्वावधान में 21 अक्टूबर 2018 को महाराष्ट्र के भायंदर-ईस्ट (थाणे) स्थित ओसवाल बगीचा में जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन एवं जरुरतमंद दिव्यांगो को सहायक उपकरण वितरण के लिए शिविर संपन्न हुआ। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री नरेन्द्र मेहता ने किया। अध्यक्षता समाजसेवी श्री उमराव सिंह ओस्तवाल ने की। विशिष्ट अतिथि राजस्थानी जैन संध के महामंत्री श्री कान्तीलाल बाबेल, कोषाध्यक्ष श्री हरि सिंह नाहर, दिनेश चौधरी, अनिल बोहरा, महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती सुमन कोठारी, समाजसेवी महावीर सुराणा व कमल लोढ़ा थे। शिविर में 53 अंग विहीन का पंजीयन हुआ। जिनमें से पी एण्ड ओ डॉ. नाथू सिंह जयपुर व डॉ. भूमिका सूरत ने परीक्षण कर 17 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग बनाने के लिए नाप लिए। अतिथियों ने एक दिव्यांग को व्हील चेयर और 13 को केलिपर प्रदान किए। प्रभारी ललित लोहार ने अतिथियों का स्वागत व हरिप्रसाद लढढ्ढा ने शिविर का संचालन किया।

बोकारो में निःशुल्क ऑपरेशन हेतु चयन

➲ नारायण सेवा संस्थान एवं आदित्य फ्लोर मिल्स प्रा.लि के संयुक्त तत्वावधान में 28 अक्टूबर 2018 को बोकारो (झारखण्ड)स्थित गोविन्द माध्यमिक विद्यालय, पुनर्वास क्षेत्र माराफारी में जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए निशुल्क जांच, चयन एवं जरुरतमंद दिव्यांगो को सहायक उपकरण वितरण के लिए शिविर संपन्न हुआ। सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत आयोजित इस शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री बिरंची नारायण जी ने किया। विशिष्ट अतिथि विधायक श्री अनन्त जी ओझा,विधायक सचिव श्री हरिश चन्द्र जी मेहता ,सीएसआर डालमिया प्रबंधक श्री उमेश प्रसाद जी,आदित्य फ्लोर मिल्स जनरल मैनेजर श्री मुशर्रफअली,चेम्बर ऑफकॉमर्स के श्री राजकुमार जायसवाल, आदित्य फ्लोर मिल्स के सीएसआर प्रभारी श्री मुकेश जी गंगवार थे। शिविर में 158 दिव्यांगों का पंजीयन हुआ। जिनमें से पी एण्ड ओ डॉ. तापस पी बेहरा ने जांच कर 31 दिव्यांगों का ऑपरेशन के लिए चयन किया। शिविर में 5 दिव्यांगों को व्हील चेयर, 15 को ट्राईसइकिल और 25 को बैसाखी की जोड़ीयां प्रदान की गई। शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लढ्ढा ने अतिथियों का स्वागत किया।

महोबा में सहायक उपकरण वितरण

➲ नारायण सेवा संस्थान एवं पं.गणेश प्रसाद मिश्रा सेवा न्यास के संयुक्त तत्वावधान में उत्तरप्रदेश के महोबा नगर के निकट,धवर्रा में 9 नवम्बर को जन्मजात पोलियो करेक्टिव सर्जरी के लिए चयन एवं जरुरतमंद दिव्यांगो को सहायक उपकरण वितरण के लिए शिविर संपन्न हुआ। उद्घाटन मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री दारा सिंह जी चौहान ने किया। अध्यक्षता हमीरपुर सांसद श्री पुष्पेन्द्र सिंह जी चन्देल ने की। विशिष्ट अतिथि लखनऊ के एमएलसी श्री बुक्कल जी नवाब, क्षेत्रीय विधायक श्री राकेश जी गोस्वामी, स्थानीय बीजेपी अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह जी, जिलाधिकारी श्री सहदेव सिंह जी, डी.एस.पी श्री अनुपम सिंह जी, सी.ओ, डी श्री हीरा सिंह जी व भाजपा अध्यक्ष के कार्यकारी सचिव डॉ. राकेश मिश्रा थे। शिविर में 120 अंग विहीन(कटे हुए हाथ - पांव) का पंजीयन हुआ। जिनमें से पी एण्ड ओ डॉ. तापस बनर्जी ने 7 दिव्यांगों का ऑपरेशन के लिए चयन किया। अतिथियों ने 5 दिव्यांगों को व्हील चेयर, 20 को ट्राईसाइकिल, 10 को श्रवण यंत्र, 5 को वॉकर और 20 को वैसाखी की जोड़ीयां प्रदान की गई। प्रभारी हरिप्रसाद लढढ्ढा ने शिविरार्थी दिव्यांगों एवं अतिथियों का स्वागत किया।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

स्नेह मिलन

सेवा सारथियों का सम्मान

अहमदाबाद

अहमदाबाद के पांजरापोल स्थित काशीराम अग्रवाल भवन में 21 अक्टूबर 2018 को संस्थान द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह एवं दिव्यांग टेलेट शो में संस्थान के सहयोगी भामाशाहों का सम्मान किया गया। आयोजन के विशिष्ट अतिथि श्री मूलचंद जी प्रजापति, श्री जसवंत भाई शाह, श्री प्रवीण आर. लोढ़ा, श्री रामरतन जी एवं श्री एम.एल गुप्ता जी थे। कार्यक्रम प्रभारी श्री कैलाश चौधरी, श्री राजेन्द्र प्रसाद व मुकेश मीणा ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन ओमपाल सीलन ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने पीड़ित मानवता की सेवा में नारायण सेवा संस्थान व सेवा परमो धर्म ट्रस्ट की निःशुल्क एवं समर्पित सेवाओं की सराहना की

कथा ज्ञान यज्ञ

भागवत श्रवण से मन व चरित्र की शुद्धि

चरित्र तभी शुद्ध होगा जब मन शुद्ध हो,जब चरित्र शुद्ध होगा तो ईश्वर कि प्राप्ति सहज हो जाएगी। अगर ज्ञान मार्ग से व्यक्ति भटक जाए तो उसका जीवन निरर्थक बन जाता है। यह बात नारायण सेवा संस्थान की ओर से इंदौर के अन्नपूर्णा मंदिर में 9 से आरंभ होकर 15 नवम्बर को संपन्न हुई सप्तदिवसीय भागवत कथा में व्यासपीठ से डॉ. संजय कृष्ण सलिल जी ने कही। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा हमें कलयुग के प्रभाव से बचाती है। जहां सदबुद्धि है, वहां सतयुग और जहां दुर्बुद्धि है, वहां कलयुग का निवास होता है। हमारे जीवन में जो बुराईयां हैं वे भागवत कथा श्रवण से दूर होंगी। वासनाओं के रहते प्राणी कभी भी प्रभु का सिमरन एवं सुख प्राप्त नहीं कर सकता। वासनाओं का त्याग ही परम सुख की प्राप्ति व मोक्ष देने वाला है। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण संस्कार व सत्संग चैनल पर किया गया। संचालन निरंजन शर्मा ने किया।

अवलोकन

निःशुल्क दिव्यांग चिकित्सा शिविर

नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ बड़ी स्थित लियो के गुड़ा में 12 नवम्बर को सुरसरगम प्रसिद्ध गायक कमलेश राव, संगीतकार रमेश वैष्णव व साथी कलाकार गणेश पटेल, प्रवीण वैष्णव व चीनूदास वैष्णव ने 101 जन्मजात पोलियोग्रस्त बच्चों के निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया तथा पूर्व पोलियोग्रस्त दिव्यांग, जो निःशुल्क ऑपरेशन से स्वस्थ हुए बच्चों,किशोर-किशोरियों से कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने कहा जीवन वही सार्थक है, जो दूसरों के काम आए। जीवन का हर क्षण आनन्द और उत्साह से भरपूर रहना चाहिए और इसके लिए दूसरों की सेवा और प्रभु का स्मरण ही एकमात्र उपाय है। संस्थान साधक विष्णु कुमार रावत ने बताया कि इस विशेष चिकित्सा शिविर में उत्तरप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, झारखण्ड, राजस्थान गुजरात, दिल्ली आदि राज्यों के बच्चों के ऑपरेशन डॉ. ए. एस. चूण्डावत व डॉ. ओ.डी. माथुर की टीम ने किए। कार्यक्रम प्रभारी रजनीश शर्मा थे।

जीवनवृत

झीनी-झीनी रोशनी (1)

➲ नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन परमपूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' के माता-पिता श्रीमती सोहनी देवी जी व पिताश्री मदनलाल जी अग्रवाल के सेवा-संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय और उदाहरणीय है। संकल्पित और समर्पित सेवा धर्म ने उन्हे सामाजिक व धार्मिक सेवा क्षेत्र में अनेक सम्मानों से विभूषित किया। जिनमें भारत सरकार द्वारा पद्म (पद्मश्री) एवं संत समाज द्वारा 'आचार्य महामण्डलेश्वर' सम्मान भी शामिल है। बचपन से ही सेवा के संस्कारों से पल्लवित कैलाश जी के अत्यन्त निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' नामक पुस्तक में अत्यन्त सहज, सरल और भाव प्रणव भाषा में लिखा है। जिसे इस अंक से धारावाहिक रूप में प्रकाशित किया जायेगा। -सं0

अलख निरंजन! ... आनन्द रहे! ... सुखी रहो !! ... दूर से ही ये आवाजें बालक कैलाश के कानों में पड़ी तो वह लकड़ी के टुकड़ों से खेलना छोड़ दौड़ा-दौड़ा रसोई में गया और टांड पर रखे पीपे से आटा निकाल कर एक बड़े से बर्तन में भर लिया। भिक्षा लेने दो साधु अक्सर उसके घर आया करते थे। उनके कन्धों पर कपड़े का झोला लटका रहता था जिसमें घर घर जाकर वे भिक्षा एकत्र करते थे।

कैलाश मुश्किल से 5-6 साल का होगा। उसके बाल मन में यह सवाल कौंधता था कि इन साधुओं को घर-घर जाकर आटा मांगने की ज़रूरत क्यूं। कोई एक घर ही इन्हें पूरा आटा क्यूं नहीं दे देता। अपनी इसी उलझन को हल करने वह उनके झोले में अधिकाधिक आटा भर देना चाहता था। माता सोहनी देवी, जिसे वह बाई कहता था उसे छोटे से कटोरे में आटा भरकर देती थी जिससे उसका जी नहीं भरता था। आज बाई कहीं नजर नहीं आ रही थी वह झट से अपनी इच्छा पूरी करने में जुट गया।

इधर-उधर देखा और भाग कर साधुओं के झोले में आटा उंडेल दिया। जल्दी ऐसी मची थी कि कब उसके बर्तन से थोड़ा आटा जमीन पर गिर गया उसे पता ही नहीं चला। थोड़ी देर में सोहनी लौटी तो आंगन में गिरे आटे को देख कर मुस्करा दी। वह बेटे कैलाश को भली भांति समझती थी। उसे बुलाया और पुचकार कर कहा- क्यूं रे ? भाग कर क्यूं गया ? मैं होती तो क्या मना करती ? अपनी चोरी यूं पकड़े जाने से कैलाश जमीन में नजरें गड़ाये सब सुनता रहा।

बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध शुरू हो चुका था। देश अंग्रेजों की गुलामी की बेड़ियों से स्वतन्त्र हो अपने पहले आम चुनाव की तैयारियां कर रहा था। मेवाड़ रियासत का एक ठिकाना था भीण्डर। यहीं एक गिरवी की हवेली में मदन जी अग्रवाल अपने भाई देवीलाल के साथ रहते थे। मदन जी के 4 पुत्र व 2 पुत्रियां थीं इनमें कैलाश जी दूसरे क्रम पर थे। स्वतन्त्रता प्राप्ति के सिर्फ 7 माह पूर्व 2 जनवरी 1947 को कैलाश जी का जन्म हुआ था।

क्रमशः

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण सेवा संस्थान

सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002
फो नम्बर : 0294-6622222, मो. : 09649499999, फेक्स नम्बर : 0294-6661030

फोटो

आपश्री का पूर्ण विवरण

1. दानदाता का नाम :	2.दानदाता की आईडी
3.कम्पनी :	
4.आधार नम्बर :	
5.पूर्ण पता :	6.नया पता :
7. मो. नम्बर : एसटीडी :	वाट्सअप नं. :
8. ई-मेल :	
9. कार्य सर्विस व्यापार	कम्पनी
पद	कम्पनी नाम :

10. पारीवारिक सूची नाम	सम्बन्ध	जन्म दिनांक

11. संस्थान के प्रति आपश्री के सूझाव

सादर निवेदन : कृपया उपरोक्त फॉर्म में **आपश्री का पूर्ण विवरण** भरकर लौटती डाक से भिजवाने का श्रम करावें जिससे संस्थान के डाटाबेस में आप से सम्बन्धित जानकरी पूर्ण हो सके। आपश्री द्वारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों में सहयोग देने के लिए बहुत-बहुत आभार.....।

हस्ताक्षर

मान्यवर,

ऐसे स्नेहीजन जो आपके जैसे ही सेवा के भाव रखते हों, ऐसे 5 महानुभावों के पते भिजवावें, जिससे संस्थान के सेवा कार्यों की जानकारी उन पवित्र ह्रदय तक पहुँचाई जा सकें...आपश्री की प्रेरणा से।

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नाम : .....

पूर्ण पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... व्यवसाय : .....

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

दिव्यांगजन की चिकित्सा में सहायता के लिए आपश्री का हार्दिक आभार

सुश्री अलिना कपूर
टोरोंटो (कनाडा)

सुश्री कियारा
लंदन (यू.के.)

डॉ. एन.के. गोयल
बुलंदशहर (यू.पी.)

स्व. मोती लाल जैन
मेरठ (यू.पी.)

श्री एवं श्रीमती गजानन दादाराव देशमुख
बुल्ढ़ाणा (महाराष्ट्र)

श्री भगवान दास
अजमेर (राज.)

श्रीमती जानकी देवी
देहरादून (उ.ख.)

स्व. मास्टर अभिषेक सी.राठौड़
मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्री ललित तेजराज जैन
मुम्बई (महाराष्ट्र)

आर. संयराम जनक कल्याण
चैन्नई (तमिलनाडू)

श्रीमती कश्मीरी देवी
ऊना (हि.प्र.)

स्व.श्री लक्ष्मण गोपाल अग्रवाल
रायपुर (छ.ग.)

श्रीमती सरलावती जी
पंचकुला (हरियाणा)

श्री डी.पी. गुप्ता-श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता
दिल्ली

श्री एवं श्रीमती स्वतंत्रता सैनानी डंडूराम शर्मा, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

श्री एवं श्रीमती एम.सत्यनारायण
हैदराबाद (तेलंगाना)

स्व.श्री तेजराज मनमाल-स्व.श्रीमती लीला बेन राठौड़,मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्री भागीरथ स्वामी-श्रीमती कैशरी देवी
हनुमानगढ़ (राज.)

श्री बालकृष्ण मेहता-श्रीमती शशी रेखा
हैदराबाद (तेलंगाना)

श्री बलवंत राय जैन, श्रीमती लक्ष्मी जैन व श्रीमती सुनिता जैन
भिवानी (हरियाणा)

स्व.श्री सीता राम गोयल-श्रीमती बिमला देवी, हिसार (हरियाणा)

श्री जय भगवान गर्ग-श्रीमती रामपती देवी
सोनीपत (हरियाणा)

सादर स्मरण

नई दिल्ली निवासी श्री विपिन कुमार जी हरुरे को उनके परिवार ने दीपावली पर नम आंखों से याद करते हुए उनकी कमी को शिद्दत से महसूस किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए। उनका इसी वर्ष 12 अप्रेल 2018 को देवलोकगमन हो गया था। वे नारायण सेवा संस्थान सहित कई सामाजसेवी व धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हुए थे। उनके परिवार में व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती उमा देवी जी, पुत्र श्री संजय जी, श्री अजय जी, श्री राजीव जी, श्री संजीव जी एवं श्री आलोक जी उनके ही सेवापथ पर अग्रसर रहते हुए अपने बच्चों, अंकुर, अदिती, लक्ष्य , कुनाल , सार्थक, ऐश्वर्या तथा पार्थ को भी दादाजी के कर्मशीलता, सेवाभावी एवं संवेदनशीलता जैसे गुणों से संस्कारित कर रहें हैं। संस्थान भी विपिन जी के योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

Donate

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की करें मदद - बनें पुण्य के भागी

संस्थान के सभी सेवा प्रकल्पों को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए दानी सज्जनों की आवश्यकता है। आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

क्र.सं.	दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की संख्या	प्रति ऑपरेशन (धर्म माता-पिता)	प्रति ऑपरेशन दवाई	एक माह				सहयोग राशि (रु)	सर्वांग सेवा एक मुश्त सहयोग राशि(रु)
				भोजन	शिक्षा	हुनर	स्पोर्ट्स		
01	1	5000	1100	1500	500	400	600	9100	8100
02	2	9500	2200	3000	1000	800	1200	18200	16200
03	3	13000	3300	4500	1500	1200	1800	27300	24300
04	5	21000	5500	7500	2500	2000	3000	45500	40500
05	11	45000	12100	16500	5500	4400	6600	99500	89100
06	21	85000	23100	31500	10500	8400	12600	191100	170100
07	51	190000	56100	76500	25500	20400	30600	464100	413100

बनें नित्यदानी पालनहार भामाशाह

मासिक पालनहार भामाशाह	त्रैमासिक पालनहार भामाशाह	अर्द्धवार्षिक पालनहार भामाशाह	वार्षिक पालनहार भामाशाह

आपश्री द्वारा प्रदान किये गये सहयोग का सदुपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के ऑपरेशन, दवाई, भोजन एवं शिक्षा की सेवा में किया जाता है।

'निःशुल्क दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ सामूहिक विवाह समारोह' हेतु करें सहयोग

जोड़ा संख्या	मेहंदी	श्रृंगार	पोशाक	बिन्दौली वरमाला	वर-माला	पणि-ग्रहण संस्कार	उपहार	बारात आवा-गमन	भोजन (6 व्यक्ति) 3 दिन	कुल सहयोग राशि (रु)	आंशिक कन्या दान (एक मुश्त)	कन्या दान धर्म माता-पिता (एक मुश्त)
1	1000	5500	6500	3100	1100	10000	16800	5000	6000	55000	21000	51000
2	2000	11000	13000	6200	2200	20000	33600	10000	12000	110000	42000	102000
3	3000	16500	19500	9300	3300	30000	50400	15000	18000	165000	63000	153000
5	5000	27500	32500	15500	5500	50000	84000	25000	30000	275000	105000	255000
11	11000	60500	71500	34100	12100	110000	184800	55000	66000	605000	231000	561000
21	21000	115500	136500	65100	23100	210000	352800	105000	126000	1155000	441000	1071000
51	51000	280500	331500	158100	56100	510000	856800	255000	306000	2805000	1071000	2601000

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग

(वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ अथवा दिवंगत परिजनों की पुण्यस्मृति में दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु सहयोग कर इस दिन को यादगार बनायें....यह राशि संस्थान के कॉरपस फण्ड(स्थायी निधि) में जाती है, जिसके ब्याज से प्राप्त राशि से आजीवन वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग करवाई जायेगी । आपश्री स्वयं पधारकर अपने कर-कमलों से निवाला खिलायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000
02	दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000
03	एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000
04	नाश्ता सहयोग राशि	7000

दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

क्र.सं.	दिव्यांग सहायक उपकरण	1 नग	2 नग	3 नग	5 नग	11 नग
01	श्रवण यंत्र	750	1500	2250	3750	8250
02	वैशाखी	800	1600	3200	4000	8800
03	वॉकर	1100	2200	3300	5500	12100
04	केलीपर	2000	4000	6000	10000	22000
05	व्हील चेयर	6000	12000	18000	30000	66000
06	तिपहिया साईकिल	7000	14000	21000	35000	77000
07	कृत्रिम हाथ/पैर	10000	20000	30000	50000	110000
08	स्कूटी	85000	170000	255000	425000	935000

राष्ट्रीय पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी

(क्रिकेट, वॉलीबॉल, लॉनटेनिस, बॉस्केटबॉल, बैडमिन्टन, चैस, टेबलटेनिस, मुक्केबाजी)

भारत के प्रतिभाशाली दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर की सुविधा उदयपुर में प्रदान करने हेतु संस्थान द्वारा राष्ट्रीय पैरा स्पोर्ट्स एकेडमी का निर्माण किया जा रहा हैं जिसमें सभी प्रकार के खेलों में खिलाड़ियों को प्राशीक्षीत कोच द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस हेतु 27 बीघा (लगभग 9 एकड) जमीन ली गई हैं, जिसके लिए भूदानियों एवं निर्माण सहयोगियों की आवश्यकता हैं। आपश्री भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनने का सुअवसर प्राप्त कर सकते हैं। आपका शुभनाम शिलालेख पर स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया जायेगा। इस एकेडमी पर तकरीबन 10 करोड़ का खर्च आना हैं। अतः भूदानी एवं निर्माण सहयोगी बनकर अधिक से अधिक सहयोग कर दिव्यांग बच्चों को ओलम्पिक के लिए प्रशिक्षित करने हेतु प्रोत्साहित करायें।

क्र.सं.	विवरण	सहयोग राशि
01	भूदान सहयोगी	21000 रूपये
02	निर्माण सहयोगी	51000 रूपये

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

शिविर सहयोग

आपश्री अपने जन्म स्थल या कर्म भूमि पर शिविर का आयोजन कराकर पीड़ित मानवता की सेवा करें।

क्र.सं.	शिविर प्रकार	सहयोग राशि
01	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन शिविर	51000
02	विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच एवं चयन एवं उपकरण वितरण शिविर	151000
03	विशाल निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण एवं वितरण शिविर	500000
04	विशाल निःशुल्क दिव्यांग शल्य चिकित्सा शिविर	700000
05	विशाल निःशुल्क अन्न, वस्त्र एवं दवा वितरण शिविर	101000

आजीवन संरक्षक

आजीवन संरक्षक सहयोग राशि - 51000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।

2- आपश्री वर्ष में 2 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 8 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।

5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।

6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।

7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।

8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।

9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

आजीवन सदस्य

आजीवन सदस्य सहयोग राशि - 21000 रुपये

1- आपश्री द्वारा प्रदान किया गया सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड (स्थायी निधि) में जमा होगा, जिसका उपयोग दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों की सेवा में किया जायेगा।

2- आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

3- आपश्री वर्ष में अधिकतम 3 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।

4- आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।

5- आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।

6- आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।

7- आपश्री की उक्त सुविधाओं की वैधता अवधि अधिकतम 14 वर्ष रहेगी।

8- डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।

9- इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

हृदय रोग एवं गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मासूमों के लिये करें सहयोग

संख्या	सहयोग राशि
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु प्रारम्भिक सौजन्य	1,25,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु आंशिक सौजन्य	31,000
1 बच्चे के ऑपरेशन हेतु दवाई सौजन्य	21,000

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें-0294-6622222

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

दानवीर भामाशाह

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 7 वर्ष रहेगी।
2.आपश्री वर्ष में 4 बार 6 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 28 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 4 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 2 बार 3 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 10 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 5 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 3 बार 4 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 15 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

1. आपश्री के कार्ड की वैधता अधिकतम 3 वर्ष रहेगी।
2. आपश्री वर्ष में 1 बार 2 व्यक्ति पूर्वसूचित सूचना के आधार पर संस्थान के अतिथि भवन में वातानूकूलित आवास, वाहन तथा शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
3. आपश्री वर्ष में अधिकतम 4 दिवस तक उक्त सुविधा का लाभ ले पायेंगे।
4. आपश्री के साथ संस्थान के प्रॉटोकॉल अधिकारी रहेंगे।
5. आपश्री को श्रीनाथजी दर्शन, उदयपुर भ्रमण एवं संस्थान का अवलोकन कराया जायेगा।
6. आपश्री संस्थान में नैचुरोपेथी चिकित्सा का लाभ चिकित्सक परामर्श के अनुसार ले सकते हैं।
7. डॉनर के साथ रोगी/परिचारक होने पर उन्हें (रोगी/परिचारक) उचित चिकित्सा हेतु वार्ड में ही रूकना होगा।
8. इस कार्ड का उपयोग आपश्री स्वयं कर पायेंगे ।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

आगरा (उ.प्र.)
श्री सुरेश कुमार जी
मो. 09837371298
बी-41, बालाजी पुरम, अलबतियाँ रोड,
शाहगंज, पो.-भांगीपुरा, आगरा (उ.प्र.)

जयपुर, चौगान स्टे.
श्री मनीष कुमार खण्डेलवाल
मो. 8696002432, बी-16
गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम
के पीछे, गणगौरी बाजार, जयपुर (राज.)

इलाहाबाद
श्री बदरी लाल शर्मा
मो. 09983674371
बिल्डिंग नं. - 191-बी/1ई, लक्ष्मी निवास
राजरूपुर, इलाहाबाद

वाराणसी
श्री रमेश चन्द लालवानी
मो. 09415228263
सी-19, भुवनेश्वर नगर कॉलोनी, वाराणसी

राजकोट
श्री तरूण नागदा
मो. 09529920083
भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी
चौक शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लोक नं.
15/2 युनीवसीटी रोड़, राजकोट (गुजरात)

चण्डीगढ़
श्री ओमप्रकाश गौतम
मो. 9316286419
म.नं.-3658, सेक्टर-46/सी, चण्डीगढ़

कोलकाता
श्री प्रकाश नाथ
मो. 09529920097,
म.न.-226, ए ब्लोक, ग्राउण्ड फ्लोर,
लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुरुग्राम
श्री गणपत रावल
मो.-09529920084
973/3 गली न. 3 राजीव नगर ईस्ट,
राज टेलर के सामने, गुरूग्राम (हरियाणा)

पूणे
श्री सुरेन्द्रसिंह झाला
मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गोखले नगर, पूणे-16

मुम्बई
श्री ललित लौहार
मो. 9529920088
श्री मुकेश सैन
मो.- 09529920090
श्री जमना शंकर
मो.-09529920089
श्री आनन्द सिंह
मो. 07073452174
एफ 1/3, हरि निकेतन सोसायटी,
सीएचएस लि., अपोजिट बसन्त।
गैलेक्सी, गौरेगांव वेस्ट, मुम्बई

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

जालना (महाराष्ट्र)
श्रीमती विजया भूतड़ा, मो. 02482-233733

बिलासपुर (छ.ग.)
डॉ. योगेश गुप्ता, मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर (छ.ग.)

महोबा शाखा
श्रीमान राम आसरे-मो.-9935232257
सिन्धी कॉलोनी, गाँधीनगर-महोबा (उ.प्र.)

जुलाना मण्डी
श्रीराम निवास जिन्दल,
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878, 108
अनाज मण्डी, जुलाना, जींद (हरियाणा)

धनबाद (झारखण्ड)
श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द
पो.-गोसाई बालिया, जिला-धनबाद

परभणी (महाराष्ट्र)
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

पाचोरा (महाराष्ट्र)
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

शाहदरा शाखा
श्रीमान विशाल जी अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा, ईस्ट दिल्ली

बालोतरा (राज.)
श्री चेतनप्रकाश गोयल/9460666142
उज्जवल भवन, बाड़मेर कलेण्डर
रोड़, बालोतरा

नागपुर
श्री हेमन्त मेघवाल, मो. 09529920092
पी.एन. 37, गोराले लेआउट, बस स्टेण्ड
के पास, गोपाल नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)

नरवाना (हरियाणा)
श्री धर्मपाल गर्ग, मो.-09466442702,
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग मो.-9728941014
165-हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी नरवाना, जीन्द

सुमेरपुर (राज.)
श्री गणेश मल विश्वकर्मा, मो. 09549503282
अंचल फाउण्डरी, स्टेशन रोड़, सुमेरपुर, पाली

अम्बाला केन्ट
श्री मुकुट बिहारी कपूर, मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला
केन्ट, अम्बाला केन्ट-133001 (हरियाणा)

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता, मो. 9829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी
चित्तौड़ रोड़, बून्दी (राज.)

पाली/जोधपुर
श्री कान्तिलाल मूथा, मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़ (राज.)

मुम्बई
श्री कमलचन्द लोढ़ा, मो. 08080083655
दुकान नं 660, आर्किडसिटी सेन्टर, द्वितीय
मंजिल, बेस्ट डिपो के पास, बेलासिस
रोड़, मुम्बई सेन्ट्रल (ईस्ट) 400008

मथुरा
श्री दिलीप जी वर्मा, मो. 08899366480
09027026890, 1, द्वारिकापुरी, कंकाली, मथुरा (उ.प्र.)

सिरसा, हरियाणा
श्री सतीश जी मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20, पार्ट-द्वितीय, सिरसा, हरि.

मुम्बई
श्री प्रेम सागर गुप्ता, मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2
क्रोस रोड़, वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी, न.-028847991
9029643708, 10-बी/बी, वाईसराय
पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

मुम्बई (कान्दिवली)
श्री चिमनभाई मेहता, मो. 09930356227
56/58 जनसुख अपार्टमेन्ट, 5 फ्लोर, कस्तूरबा
रोड़, मुम्बई कान्दिवली (प.) 400067

हापुड़ (उ.प्र.)
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

हाथरस (उ.प्र.)
श्री दास बृजेन्द्र, मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल, मो. 09829769960
C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)

हमीरपुर
श्री रसील सिंह मनकोटिया, मो. 09418061161
जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा, मो. 09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,
झोटवाड़ा, जयपुर 302012 (राजस्थान)

आकोला
श्रीमान हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला (महाराष्ट्र)

आगरा शाखा
श्रीमान ओम प्रकाश जी अग्रवाल
मो.नं. -9897068974, 64ए ओल्ड
विजयनगर कॉलोनी, आगरा (उ.प्र.)

काठमाण्डू, नेपाल
श्री संदीप माखरिया, 09779851021098

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन, मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र,
मेन रोड़ सदर थाना गली,
हजारीबाग (झारखण्ड)

मथुरा
श्री दिनेश चन्द्र वर्मा, मो. 06397016918
927एफ, गोविन्दनगर, अंगीरा
धर्मशाला के सामने, मथुरा

खरसिया
श्री बजरंग बंसल, मो.-09329817446
शान्ति ड्रेसेज, नियर चन्दन तालाब
शनि मन्दिर के पास, खरसिया (छ.ग.)

नांदेड़ (सेवा प्रेरक)
श्री विनोद लिंबा राठोड, 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड़, महाराष्ट्र

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता, मो.-09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

दीपका, कोरबा (छ.ग.)
श्री सूरजमल अग्रवाल, मो. 09425536801

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, मो.-09024749075, के.वी.
पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर (राज.)

कैथल
श्री सतपाल मंगला, मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा, मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिधरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040 (हिमाचलप्रदेश)

भोपाल
श्री विष्णु शरण जी सक्सेना, मो. 09425050136
A-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल (म.प्र.)

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

रायपुर
श्री भरत पालीवाल, मो. 7869916950
मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी
टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर, पो.-शंकरनगर, रायपुर, छ.ग.

अम्बाला
श्री गिरीश त्रिवेदी, मो. 7023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड
कोलोनी अरबन स्टेट के पास,
सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

देहरादून
श्री मुकेश जोशी, मधुर विहार, 7023101175
फेज-2, बंजारावाला रोड़, बंगाली कोठी
के पास, देहरादून-248001

रोहिणी
श्री वेद प्रकाश शर्मा मो.-08588835719
श्री प्रवंजन साहु मो.-08588835718
सी-7/232, सेक्टर-8, स्वीमिंग पूल
के पास, रोहिणी, दिल्ली-85

लोनी
दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
साधक : धर्मेश गर्ग, 7023101156
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल निःशुल्क फिजियोथेरेपी
सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला,
चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास
लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार, मो.-7023101163
77-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ. प्र.)

मोदीनगर, यू.पी.
भानू तंवर,
एस.आर.एम. कॉलेज के सामने,
मॉर्डन एकेडमी स्कूल के पास, मोदीनगर

बड़ौदा
श्री जितेश व्यास
मो. 09529920081
म.नं.-बी-13 बी, एस.टी. सोसायटी,
टीबी हॉस्पीटल के पीछे,
गोत्री रोड, बड़ौदा - 390021

हाथरस
श्री जे.पी. अग्रवाल, मो. 09453045748
एलआईसी बिल्डींग के नीचे, अलीगढ़
रोड, हाथरस (यू.पी.)

शाहदरा, दिल्ली
डॉ. राजीव मिश्रा, बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक, शाहदरा, दिल्ली-32

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807, गर्ग
मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने
करनाल रोड़, कैथल

गाजियाबाद
श्री भंवर सिंह राठौड़
मो. 08588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान,
दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र, नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, नारायण कृत्रिम अंग निर्माण एवं केलिपर सृजन वर्कशॉप

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी
मो. 09529920080
सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,
शाहीबाग अण्डर ब्रीज के नीचे,
शाहीबाग, अहमदाबाद (गुजरात)

3/28, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी नियर
बापू नगर पुलिस स्टेशन अहमदाबाद (गुजरात)

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत
09573938038
4-7-123, लीलावती भवन
संतोषी माता मंदिर के पास,
इसामिया,बाजार, हैदराबाद

बैंगलोर
श्री खुबीलाल मेनारिया, मो.: 09341200200
म.नं.-507/4, (129-2) न्यू डायगोनल रोड़,
भीमा ज्वेलर्स के पीछे 3-ब्लॉक,जयानगर, बैंगलूरू

इंदौर
श्री जितेन्द्र पटेल
मो. 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा,
14 कल्पना लोक
कॉलोनी, खजाना मंडी रोड़, इंदौर

फतेहपुरी , दिल्ली
श्री जतनसिंह भाटी,मो.- 8588835711
09999175555, कटरा बरियान,
अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

सूरत
श्री अचल सिंह,मो. 09529920082,
27, सम्राट टाऊन शीप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया

2/865 हीरा मोदी गली सगरामपुरा,
सब जेल के सामने,रिंग रोड,सूरत

अलीगढ़
श्री योगेश निगम,मो. 7023101169
एम.आई.जी. -48,विकास नगर
आगरा रोड़, अलीगढ़ (यू.पी)

इन्दौर
श्री जितेन्द्र पटेल, 09529920087
जी-1, विनीत श्री सम्पदा, 14 कल्पना लोक
कॉलोनी, चन्द्रलोक रिक्शा स्टेण्ड गली, आनन्द
बाजार के पास,खजराना मैन रोड़, इन्दौर

जयपुर
श्री विक्रम सिंह चौहान
मो. 9928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी
हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर
बी-50-51 सनराईज सिटी,
मोक्ष मार्ग निवारू
झोटवाड़ा,जयपुर

आगरा
श्री ज्ञान गुर्जर
मो. 7023101174
127, नोर्थ विजय नगर कोलोनी
राधा कृष्ण मन्दिर के पास, पंजाब
नेशनल बैंक के पीछे,आगरा (उ.प्र.)

मानव जी के प्रेरणा पुंज

स्व. आचार्य श्री राम शर्मा एवं
भगवती देवी जी

श्री मानव जी के पूज्य पिताश्री
स्व. श्री मदन लाल जी एवं
मातुश्री सोहिनी देवी जी

संस्थान के सम्बल

स्व. श्री राजमल जी
'एस.' जैन
चेयरमैन, भैरव नेत्र यज्ञ
समिति,बिसलपुर, पाली (राज.)

स्व. डॉ. आर.के. अग्रवाल
विख्यात
कैंसर रोग विषेशज्ञ

स्व. श्री पी.जी. जैन
गोरेगांव/हरियामाली
(सोजत रोड़)

स्व.श्री चैनराज जी लोढा
मुम्बई/घाणेराव
(पाली)

संस्थान के परम
संरक्षक
श्री रमेश भाई चावड़ा
यूके

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

आपश्री से विनम्र अनुरोध है कि ग्रामीण क्षेत्रों के निर्धन परिवारों के बच्चों को शिक्षा हेतु अपना योगदान प्रदान करें ताकि आपश्री के आशीर्वाद एवं योगदान से ये बच्चे आत्म निर्भर होकर देश के विकास में सम्मान के साथ अपना योगदान सुनिश्चित कर सकें।

1. एक बच्चे की शिक्षा हेतु दानराशि (कक्षा के जी से बारहवीं तक 4.5 लाख रूपये)
2. एक कक्षा (20 बच्चों) की शिक्षा हेतु दान राशि 1 वर्ष के लिए 6 लाख रूपये
3. सम्पूर्ण बैच (20 बच्चों) की (केजी से बारहवीं) तक की शिक्षा हेतु दान राशि 90 लाख रूपये
4. एक बच्चे का शिक्षा, भोजन, स्टेशनरी आदि का सम्पूर्ण मासिक खर्च 3000 रूपये
5. एक बच्चे का सम्पूर्ण खर्च 36 हजार रूपये

आपकी अपनी संस्था

दीन-दुःखियों की सेवा में 24 घण्टे सेवारत संस्थान/ट्रस्ट जिसमें निःशुल्क सेवा की जाती है। इस सेवाकार्य में आपश्री का एक सहयोग किसी दीन-दुःखी, दिव्यांग के चेहरे पर अपार खुशियाँ ला सकता है। आज ही जुड़ें इस सेवा कार्य में-मान्यवर।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
Allahabad Bank	3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS Bank	Uit Circle	UTIB0000097	097010100177030
Bank of India	H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
Bank of Baroda	H.M, Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Arihant Complex Plot No. 16, Thoran Banwre City Station Marg, Udaipur	MAHB0000831	60195864584
Canara Bank	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
Kotak Mahindra Bank	8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YesBank	Goverdhan Plaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि.मी दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

- पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज ।
- चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।
- रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।
- आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी भी उपलब्ध है।

सम्पर्क करें :– 0294 6622222, 09649499999,3990000

Seva Soubhagya 1 December, 2018 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2017-2019. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 3,50,000) cost- Rs.5/-

कुम्भ महापर्व-2019

51 दिवसीय विशाल सेवा, भक्ति, ज्ञान एवं अध्यात्म यज्ञ शिविर

दिनांक - 7 जनवरी से 5 मार्च, 2019 **समारोह स्थल : कुंभ प्रांगण इलाहाबाद (उ.प्र.)**

- 15 जनवरी : मकर संक्रांति प्रथम शाही स्नान
- 21 जनवरी : पुष्प पूर्णिमा
- 4 फरवरी : मौनी अमावस्या द्वितीय शाही स्नान
- 10 फरवरी : बसंत पंचमी तृतीय शाही स्नान
- 19 फरवरी : माघी पूर्णिमा
- 4 मार्च : महा शिवरात्रि

आपश्री की सेवामें

- भोजन सहयोग (एक समय) : 2100/- प्रतिदिन
- 6 या 4 व्यक्ति सामूहिक आवास : 2100/-प्रतिदिन
- आवास व्यवस्था (सेपरेट) : 1500/- प्रति रुम
- डोरमेट्री : 500/- प्रतिदिन

रोगी भोजन सहयोग

- 50 रोगी प्रतिदिन-दोनों समयः- 22,000/-
- 50 रोगी प्रतिदिन-एक समयः- 11,000/-

बने यजमान

- कथा मुख्य यजमानः-1,51,000/-
- प्रसादी वितरण प्रतिदिनः- 51,000/- (भण्डारा)
- नाश्ता सहयोगः- 5,100/-
- भोजन प्रसाद यजमानः- 11000/- (एक समय)
- प्रतिदिन आरती यजमानः- 5,100/-
- व्यास पूजन यजमान प्रतिदिनः- 2,100/-

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :
0294-6622222